मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 238, मुंबई, मंगलवार, 1 दिसंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

नारी सम्मान संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा सुंदरी ठाकुर ने की महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे व गृहमंत्री अनिल देशमुख से अपील

ट्रेन से आ रहे यात्रियों की कोरोना टेस्ट चेकिंग में हो रही है भारी लापरवाही

सुंदरी ठाकुर ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे व गृहमंत्री अनिल देशमुख से अपील करते हुये कहा कि अगर ऐसा होता रहा तो कोरोना संक्रमितों को लेकर हमारे महाराष्ट्र में स्थिति बहुत भयावह हो जाएगी

(समाचार पृष्ठ 4-5 पर)

BEST CM

उद्धव ठाकरे फिर से बने पसंदीदा मुख्यमंत्री

सर्वे में हुआ खुलासा

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे एक बार फिर से बेस्ट सीएम बने हैं। द स्ट्रेलेमा सर्वे की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। सर्वे करने वाली संस्था ने आम जनता के बीच जाकर यह सर्वे पूरा किया है। इस सर्वे में 59 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे उद्धव ठाकरे के काम-काज से संतुष्ट हैं।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

फिर से नीलाम होगी डॉन की प्रॉपर्टी

डॉन दाऊद की 7 में से 6 संपत्तियों को सफेमा ने किया था नीलाम

संवाददाता

मुंबई। अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की लाटे गांव स्थित प्रॉपर्टी को फिर से आज यानी 1 दिसंबर को नीलाम किया जाएगा। नीलामी की यह कार्रवाई सफेमा की तरफ से करवाई जा रही है। आपको बता दें कि कुछ दिनों पहले दाऊद की संपत्तियों को नीलामी के लिए रखा गया था। लेकिन लाटेगांव स्थित प्रॉपर्टी नहीं बिक पाई थी। जिसे अब दोबारा नीलामी के लिए रखा जा रहा है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

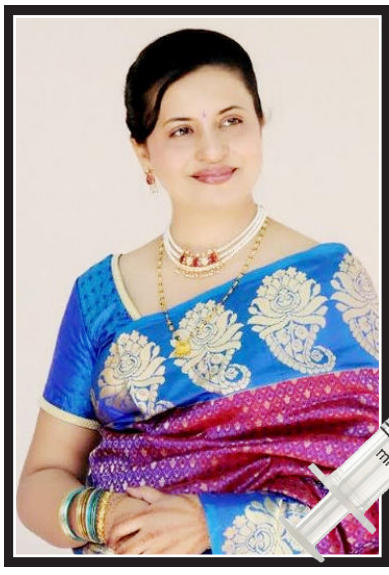

बाबा आमटे की पोती ने किया SUICIDE

जहर का इंजेक्शन लगाकर दी जान

कुछ दिनों पहले संस्था में आर्थिक घोटाले की बात कही थी

संवाददाता/मुंबई। कुष्ठ रोगियों के लिए आनंदवन संस्था चलाने वाले डॉक्टर बाबा आमटे की पोती डॉक्टर शीतल आमटे ने सोमवार तड़के चंद्रपुर में अपने घर में आत्महत्या कर ली है। बताया जा रहा है कि शीतल ने जहर का इंजेक्शन लगाकर जान दे दी।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

सावधानी के साथ

पांच से ज्यादा वैक्सीन तैयारी के अंतिम चरण में हैं, तो यह पूरी दुनिया के लिए खुशखबरी है। किसी वैक्सीन के 90 प्रतिशत तक सफल होने का दावा किया जा रहा है, तो यह अच्छी बात है, पर यदि कोई वैक्सीन शुरूआती स्तर पर 50 प्रतिशत भी सफल होती है, तब भी यह बड़ी कामयाबी होगी। इस बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन से सूचना आई है कि दुनिया में सभी लोगों को वैक्सीन की जरूरत नहीं पड़ेगी। यदि 60-70 प्रतिशत लोगों के शरीर में भी वैक्सीन पहुंच जाए, तो कोरोना से लड़ने में सफलता मिल जाएगी। डब्ल्यूएचओ के टीकाकरण विभाग के निदेशक ने यह तो नहीं बताया कि विश्व भर में कितने लोगों को वैक्सीन की जरूरत पड़ेगी, लेकिन इसके लिए जारी कोशिशों पर जरूर बात की। एक वैज्ञानिक मॉडल बनाने की कोशिश हो रही है, ताकि टीकाकरण की जरूरत का ठोस अंदाजा लग सके। दुनिया के बहुत से ऐसे कोने हैं, जहां वैक्सीन की जरूरत नहीं पड़ेगी या कम पडेगी। कोरोना वैक्सीन ऐसी नहीं है कि पोलियो वैक्सीन की तरह सबको जरूरत पड़े। कोरोना से जुड़ी एक और सकारात्मक खबर है। फिजिक्स ऑफ फ्लूइड्स जर्नल में प्रकाशित शोध के अनुसार, सार्वजनिक जगहों पर अगर 70 प्रतिशत लोग भी मास्क पहनने लगें, तो कोरोना को काबू किया जा सकता है। इस शोध ने एक बार फिर प्रमाणित किया है कि कोरोना से लड़ने में मास्क का उपयोग बहुत जरूरी है। शोध में यह भी पता चला है कि सर्जिकल मास्क को कोरोना के खिलाफ 70 प्रतिशत कारगर पाया गया है, अगर सार्वजनिक स्थानों पर 70 प्रतिशत लोग भी सर्जिकल मास्क पहनने लगें, तो कोरोना संक्रमण को रोकने में बहुत हद तक सफलता मिल सकती है। शोध टीम के सदस्य और नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर के डॉक्टर संजय कुमार विश्वास के साथ कहते हैं कि यदि आपके पास सर्जिकल मास्क नहीं है और आप किसी सामान्य कपड़े से मुंह ढककर रहते हैं, तब भी संक्रमण से बचे रहने की पूरी संभावना है। साफ है, मास्क पहनने की आदत डाल लेने में ही सबकी भलाई है। कोरोना से जुड़ी तीसरी खबर भी सकारात्मक और उत्साहवर्द्धक है। नीदरलैंड की रडबाउंड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया है कि कोरोना से संक्रमित लोगों के फेफडे.पर असर पड़ रहा है, पर ज्यादातर लोगों के फेफड़े कोरोना संक्रमण के तीन महीने के समय में ठीक भी हो जा रहे हैं। पिछले दिनों यह सूचना तेजी से फैली थी कि कोरोना पीड़ितों के फेफडे.पर गहरा असर डाल जाता है। क्लिनिकल इन्फेक्शियस डीजीज जर्नल में प्रकाशित इस शोध को 128 ऐसे मरीजों पर किए गए परीक्षण से तैयार किया गया है, जो गंभीर अवस्था में आईसीयू में पहुंच गए थे। तीन महीने की अवधि में उनके फेफडे.की प्रभावित कोशिकाओं में सुधार देखा गया है। मतलब सबको चिंता करने की जरूरत नहीं है। कुल कोरोना मामलों में से महज 10 प्रतिशत लोग निमोनिया से पीड़ित हो रहे हैं और महज पांच प्रतिशत लोगों को सांस लेने में बहुत ज्यादा तकलीफ हो रही है। आज सावधानी ही समय की मांग है। कोरोना सामान्य फ्लू से ज्यादा खतरनाक है। मरने वालों की दर साढ़े तीन प्रतिशत से अधिकतम चार प्रतिशत तक जा सकती है। वैज्ञानिकों की सलाह पर गौर करते हुए हमें सुनिश्चित करना चाहिए कि कोरोना संक्रमण हमारी सावधानियों से ही काबू में आ जाए।

समस्या सिर्फ किसान की नहीं है!

देश के कई राज्यों के किसान इस कड़ाके की ठंड़ में प्रदर्शन कर रहे हैं और दिल्ली की सीमा पर डटे हैं तो ऐसा बताया जा रहा है, जैसे केंद्र सरकार के बनाए तीन कृषि कानून, किसानों की अपनी समस्या हैं, जिसका समाधान वे सरकार से चाहते हैं। कुछ लोग इसे और संकीर्ण दायरे में बांधते हुए यह संकेत दे रहे हैं कि समस्या सिर्फ पंजाब और हरियाणा के कुछ किसानों की है। इसे और छोटा बनाने या इसकी साख बिगाड़ने वाला यह प्रचार भी किया जा रहा हैं कि यह पंजाब के आढ़तियों और वहां की कांग्रेस सरकार द्वारा प्रायोजित आंदोलन है, जिसके पीछे खालिस्तान की ताकतें भी लगी हैं। अब सबकी अपनी श्रद्धा और समझदारी है, जिसके हिसाब से वह किसानों के आंदोलन को देख-समझ रहा है।

परंतु असल में यह सिर्फ किसानों की या पंजाब-हरियाणा के किसानों की समस्या नहीं है, बल्कि देश की समस्या है। केंद्र सरकार ने जो तीन कानून बनाए हैं, वे खेती-किसानी के साथ-साथ देश की पारिस्थितिकी और देश की खाद्य सुरक्षा तीनों को संकट में डालने वाले हैं। ये कानून सिर्फ न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी एमएसपी का अधिकार छीनने या मंडियों में अनाज बेचने या नहीं बेचने से नहीं जुड़े हैं, बल्कि ये कानून किसानों को खेती से निकाल कर उनको मजदूर बनाने की दशकों से चल रही साजिश को आगे बढ़ाने वाले हैं। एमएसपी का मामला तो इसका एक पहलू है, जो एक कानून से जुड़ा है। लेकिन संविदा पर खेती और आवश्यक वस्तु अधिनियम में बदलाव के दो और कानून भी तो हैं, जिन पर गंभीरता से चर्चा होनी चाहिए जो नहीं हुई है! असल में यह सिर्फ अभी का तात्कालिक मामला भी नहीं है, जो यह आसानी से सुलझ जाएगा। सरकार ने कोरोना वायरस की महामारी में आपदा को अवसर बनाते हुए बहुत सोच समझ कर ये कानून बनाए हैं। सबसे पहली समस्या तो वहीं से शुरू हुई, जब इन्हें अध्यादेश के रूप में लागू किया गया और बाद में बिना किसी

चर्चा के लगभग जोर जबरदस्ती संसद से पास कराया गया। अगर सरकार की मंशा ठीक होती या वह खुले दिन से किसानों के मसले पर विचार करने को तैयार होती तो इतनी जबरदस्ती के साथ इन कानूनों को पास नहीं कराया जाता। सरकार ने जबरदस्ती तीनों कानून पास कराए हैं, इसलिए तय मानें कि वह इसमें कोई खास बदलाव नहीं करने जा रही है। उसके हाथ बंधे हुए हैं और कहने की जरूरत नहीं है किसकी वजह से हाथ बंधे हुए हैं!

अगर सरकार प्रदर्शन कर रहे किसानों को संतुष्ट करना चाहे तो उसके लिए यह काम दो मिनट का है। आंदोलन कर रहे ज्यादातर किसान सिर्फ एक बात समझ रहे हैं। वे चाहते हैं कि मंडियों में एमएसपी पर अनाज बेचने की इजाजत हो। सरकार कह रही है कि उसने एमएसपी की व्यवस्था खत्म नहीं की है, बस अनाज मंडियों से बाहर भी किसानों को अनाज बेचने की इजाजत दे दी है। आंदोलन कर रहे किसानों का एक बड़ा हिस्सा सिर्फ यह चाहता है कि सरकार कानून में बदलाव करके यह जोड़ दे कि एमएसपी से कम कीमत पर कहीं भी अनाज की खरीद-बिक्री नहीं होगी। एमएसपी से कम कीमत पर अनाज की खरीद-बिक्री को गैरकानूनी बनाने का प्रावधान अगर कानून में जोड़ दिया जाए तो किसान संतुष्ट हो जाएंगे। पर यह पूरी समस्या का सिर्फ एक पहलू है। यह बहुत छोटा पहलू है, हालांकि हैरानी की बात है कि अगले एक-डेढ़ साल में किसानों की आय दोगुनी करने का चमत्कार करने का दावा कर रही सरकार यह छोटी समस्या भी नहीं सुलझा रही है। केंद्र के बनाए तीन कृषि कानूनों की असली समस्या कांट्रैक्ट फार्मिंग यानी संविदा पर खेती कराने वाले बिल और आवश्यक वस्तु अधिनियम में बदलाव करके कारोबारियों व उद्योगपतियों को मनचाही मात्रा में अनाज का भंडारण करने की इजाजत देने वाले कानून से है। इस कानून के लागू होने के दो-तीन महीने के भीतर ही जरूरी चीजें की कीमतें जिस तरह से बढ़ने लगी हैं वह सबको दिख रहा है। खाने-पीने की चीजों की खुदरा महंगाई दर में बढ़ोतरी की चिंता में ही भारतीय रिजर्व बैंक ने नीतिगत ब्याज दरों में बदलाव का फैसला टाला है। केंद्रीय बैंक को अंदेशा है कि खाने-पीने की चीजों की महंगाई और बढ़ेगी। ऐसे में अगर नीतिगत ब्याज दरों में कटौती की गई तो मुद्रास्फीति की दर बहुत बढ़ सकती है।

सो, अगर इससे महंगाई बढ़ती है तो सवाल है कि यह समस्या सिर्फ किसान की कैसे हुई? यह तो आम आदमी की समस्या है। खाने-पीने के चीजों के भंडारण की सीमा खत्म की गई है, जिससे अनाज के दाम बढ़ने लगे हैं तो इसका असर तो व्यापक समाज पर हो रहा है! इतनी सरल सी बात आखिर लोगों को समझ में क्यों नहीं आ रही है कि सरकार ने इस कानून के जरिए देश की खाद्य सुरक्षा को खतरे में डाल दिया है? यह लोगों को क्यों नहीं दिख रहा है कि देश के दो सबसे बड़े कारोबारी किस तेजी से खाने-पीने की चीजों के उत्पादन और उनकी बिक्री के बाजार में घुस रहे हैं, किस पैमाने पर भंडारण की व्यवस्था कर रहे हैं और कैसे विलय व अधिग्रहण के जरिए खुदारा कारोबार पर कब्जा कर रहे हैं? आखिर इस काम में उनकी इतनी दिलचस्पी कैसे पैदा हुई है? एमएसपी और आवश्यक वस्तु अधिनियम कानून में बदलाव के बाद तीसरा कानून संविदा पर खेती का है। यह कानून देश के किसानों को खेती से निकाल कर उनको मजदूर बना देने वाला है। देश में करीब 90 फीसदी किसान डेढ़-दो एकड़ की जोत वाले हैं, जिनके लिए पहले से खेती करना मुश्किल काम हो गया है। कृषि की लागत इतनी ज्यादा बढ़ गई है कि वे खुद ब खुद खेती से बाहर हो रहे हैं। सरकारें स्वामीनाथन आयोग की रिपोर्ट लागू करने की बातें करती हैं पर किसी ने इसकी पहल नहीं की है।

सो, किसान पहले से परेशान है। उसे अब एक आसान विकल्प दिया जा रहा है कि वह कारोबारियों-उद्यमियों के साथ करार करे और अपनी ही जमीन पर मजदूर की तरह काम करे, जिसके बदले में उद्यमी उसको उसकी सेवाओं की कीमत देगा। पारंपरिक किसान का इस तरह से खेती के काम से बाहर होना कई तरह के संकट को न्योता देने वाला है। सबसे पहले तो गांवों की पूरी सामाजिक संरचना प्रभावित होगी। कॉरपोरेट फार्मिंग में ज्यादा खेत मजदूर की जरूरत नहीं रह जाएगी। इससे गांवों से पलायन तेज होगा। देश की मौजूदा आर्थिक हालत को देखते हुए यह समझना मुश्किल नहीं है कि किसी भी सेक्टर में इतनी क्षमता नहीं है कि वह खेती-किसानी से हटे सब लोगों को रोजगार दे सके। सो, बेतहाशा बेरोजगारी बढ़ेगी।

पारंपरिक किसान के खेती से बाहर होने का एक बड़ा खतरा यह है कि कॉरपोरेट फार्मिंग में कंपनियों का ध्यान सिर्फ मुनाफा कमाने पर केंद्रित होगा। वे पारंपरिक फसलों की बजाय नकदी और कमाई करने वाली फसलों की खेती पर फोकस करेंगी। इससे जमीन की गुणवत्ता खराब होगी और ग्रीन हाउस गैसेज का उत्पादन बढ़ेगा, जिससे अंततः पूरी पारिस्थिति प्रभावित होगी। यानी सरल शब्दों में कहें तो केंद्र के बनाए तीन कृषि कानून प्रदर्शन कर रहे किसानों से ज्यादा देश के 130 करोड़ लोगों के जीवन, समाज और पारिस्थितिकी के लिए संकट हैं।

स्कॉटलैंड में अनुकरणीय पहल

स्कॉटलैंड की संसद ने एक ऐसी पहल की है, जिससे दुनिया भर के देश चाहें तो सीख ले सकते हैं। स्कॉटलैंड की संसद ने सर्वसम्मति से महिलाओं से जुड़े स्वच्छता उत्पादों को मुफ्त बांटने के लिए कानून पास किया है। इस कानून के साथ स्कॉटलैंड मासिक धर्म से जुड़े उत्पादों को मुफ्त में देने वाला दुनिया का पहला देश बन गया है। अब वहां जिससे सार्वजनिक भवनों में सैनिटरी उत्पादों तक मुफ्त पहुंच एक कानूनी अधिकार बन गया है। मतदान के पहले संसद में एक सदस्य ने अहम टिप्पणी की। कहा- इस पर आम सहमति है कि देश में किसी को भी चिंता नहीं करनी चाहिए कि उनका अगला टैम्पॉन या सैनिटरी पैड दोबारा कहां से मिलेगा। अप्रैल 2019 में ये बिल को संसद में पेश किया गया था। कानून के तहत मासिक धर्म से जुड़े उत्पाद को सामुदायिक केंद्रों, युवा क्लबों, शौचालयों और फार्मेसियों में भी रखा जाएगा। महिलाओं और युवतियों के लिए तय जगहों पर टैम्पॉन और सैनिटरी पैड उपलब्ध कराए जाएंगे और मासिक धर्म के साथ महिलाएं इन वस्तुओं को मुफ्त में प्राप्त कर सकेंगी। उन्हें यानी अब इसे खरीदने के लिए स्टोर या बाजार नहीं जाना पड़ेगा। विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और स्कूलों को भी अपने शौचालयों में उत्पाद को मुफ्त देने के लिए कहा गया है, ताकि छात्राएं जरूरत के मुताबिक उनका इस्तेमाल कर सकें। स्कॉटलैंड की सांसद मोनिका लेनॉन ने इसके लिए चार साल तक अभियान चलाया। आखिर ऐसा कानून बना, जिसे दुनिया को रास्ता दिखाने वाला बताया गया है। अब लेनॉन का अगला अभियान यह है कि स्कूलों में मासिक धर्म पर शिक्षा दी जाए, मासिक धर्म को कलंक कलंक मानने की प्रथा को खत्म किया जा सके।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समाचार

मुंबई, मंगलवार
1 दिसंबर, 2020

किसान आंदोलन पर बोले संजय राउत

इतना बलप्रयोग अगर चीन और पाकिस्तान के साथ किया होता तो सीमा पर इतना तनाव नहीं होता

मुंबई। शिवसेना के सांसद संजय राउत ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा है कि केंद्र सरकार जितना बल प्रयोग देश के किसानों पर कर रही है। यदि इतना बल पाकिस्तान और चीन के खिलाफ इस्तेमाल किया गया होता तो आज सरहद पर शांति होती। देश के किसान शांतिपूर्ण तरीके से अपना आंदोलन करना चाहते हैं लेकिन सरकार ऐसा होने नहीं दे रही। किसान हैं इसलिए इस देश का वजूद भी है। संजय राउत ने कहा कि जो लोग किसानों को आतंकवादी और खालिस्तानी कह रहे हैं। वे किसानों का अपमान कर रहे हैं। देश के किसानों पर बल प्रयोग करना कहां का न्याय

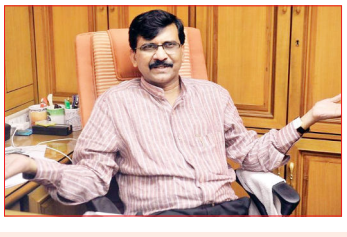

है। ऐसा करना विश्व के सभी अन्नदाता किसानों का अपमान है। जो लोग आज केंद्र सरकार में बैठे हैं। उन्होंने कहा था कि वह किसानों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे लेकिन आज उनकी सरपरस्ती में ही किसानों पर बल प्रयोग किया जा रहा है। संजय राउत ने कहा कि सबको और खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी किसानों का साथ इस मुसीबत की घड़ी में देना चाहिए। आज जो बर्ताव किसानों के साथ किया जा रहा है। वही बलप्रयोग अगर चीन और पाकिस्तान के साथ किया होता तो सीमा पर इतना तनाव नहीं होता। इनदिनों केंद्र और राज्य सरकार विभिन्न मुद्दों पर आमने सामने हैं।

ईडी और सीबीआई को भेजें सीमा पर: संजय राउत ने ईडी और सीबीआई पर तंज कसते हुए कहा है कि इन्हें भी देश की सीमा पर भेजा जाना चाहिए। आजकल इन दोनों एजेंसियों का इस्तेमाल दुश्मनों को खत्म करने के लिए किया जा रहा है। आपको बता दें कि बीते सप्ताह ईडी ने शिवसेना के विधायक प्रताप सरनाईक के घर पर मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रेड की थी। ईडी ने इस मामले में प्रताप सरनाईक को भी अगले सप्ताह ईडी के समक्ष हाजिर होने का समन भेजा है।

उर्मिला मातोंडकर शिवसैनिक ही हैं: फिल्म अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर के शिवसेना में प्रवेश को लेकर संजय राउत ने कहा है कि उर्मिला शिवसैनिक सैनिक ही हैं। हमें खुशी है कि वह शिवसेना में औपचारिक रूप से शामिल हो रही हैं। उनके शिवसेना में शामिल होने से महिला विंग को और भी ज्यादा मजबूती मिलेगी। मंगलवार को उर्मिला मातोंडकर के शिवसेना में शामिल होने की संभावना है।

बेटा चाहिए था पर जन्मी बेटी, निर्दयी मां ने वॉटर टैंक में फेंक ले ली जान

मुंबई। महाराष्ट्र के बारामती इलाके में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक मां ने अपनी ही नवजात की हत्या कर दी। उन्हें बेटा चाहिए था लेकिन बेटी पैदा हुई। वह डेढ़ महीने की भी नहीं हुई कि उसका गला दबाकर पानी के टैंक में फेंक दिया। पुलिस ने आरोपी मां को गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। घटना बारामती जिले के चांदनगर इलाके की है। पुलिस ने बताया कि दिपाली नाम की महिला ने एक बेटी को जन्म दिया। उसकी दो बेटियां पहले से थीं। उसे उम्मीद थी कि इस बार उसे बेटी होगी लेकिन फिर से बेटी पैदा हुई। वह इसी बात से तनाव में थी। डेढ़ महीने की बच्ची को लेकर 25 नवंबर को दीपाली अपने मायके पहुंची थी। उसने दावा किया कि रात में वह बेटी को लेकर सो रही थी तड़के तीन बजे बच्ची गायब थी। उसने अपने घरवालों को बच्ची के लापता होने की सूचना दी। घरवालों ने बच्ची को बहुत ढूंढा लेकिन वह नहीं मिली। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की गंभीरता समझते हुए तत्काल केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी। आसपास इलाके और दीपाली के मायकेवालों से पूछताछ शुरू की गई। बच्ची को तलाश रही पुलिस को सूचना मिली कि पास के पानी के टैंक में एक नवजात की लाश मिली है। पुलिस ने लाश निकलवाई तो वह दीपाली की बच्ची का शव था।

दीपाली ने कुबूल की वारदात

बच्ची एक प्लास्टिक बैग में बंद करके वॉटर टैंक में फेंकी गई थी। पुलिस को इस घटना में घरवालों पर ही शक हुआ। उन्होंने सख्ती के साथ सबसे पूछताछ शुरू की। बच्ची की मां के बयान पर शक हुआ तो उनके साथ सख्ती की गई। दीपाली टूट गई और उसने सच्चाई बयां करते हुए अपनी जुर्म कुबूल कर लिया।

(पृष्ठ 1 का शेष)

उद्धव ठाकरे फिर से बने पसंदीदा मुख्यमंत्री

संस्था ने सर्वे के आधार पर राज्य की महाविकास अघाड़ी सरकार के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को 'बेस्ट सीएम' बताया है। आपको बता दें कि हाल ही में महाविकास आघाड़ी सरकार ने अपने कार्यकाल का एक वर्ष पूरा किया है। द स्ट्रेलेमा ने यह सर्वे सरकार के एक साल पूरा करने पर किया है। राज्य आम नागरिक से इस सरकार के कामकाज के बारे में क्या राय रखते हैं यह जानने के लिए सर्वे किया था। तकरीबन दस हजार लोगों से संस्था ने 11 नवंबर से 24 नवंबर के दौरान बातचीत की। इस सर्वेक्षण में राज्य के सभी विभागों के कामकाज पर सवाल पूछे गए थे। लोग महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में उद्धव ठाकरे के प्रदर्शन के बारे में क्या सोचते हैं? यह भी सवाल था। सवालों के जवाब के रूप में लोगों बताया कि वे उद्धव ठाकरे के काम से संतुष्ट हैं। जबकि 32 फीसदी लोगों ने कहा कि वे संतुष्ट नहीं हैं। वहीं नौ प्रतिशत लोगों ने कहा कि 'नहीं बता सकते'। हालाँकि जब नागरिकों से यह पूछा गया कि भविष्य में वे मुख्यमंत्री के रूप में किसको देखना पसंद करेंगे? तब 24 प्रतिशत लोगों ने उद्धव ठाकरे को अपनी पहली पसंद बताया। जबकि अजित पवार दूसरे नंबर पर रहे उन्हें 21 प्रतिशत लोगों ने पसंद किया है। वहीं पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस को 19 फीसदी और बालासाहेब थोरात को 5 प्रतिशत लोगों ने सीएम के रूप में देखने की इच्छा जताई है। हालाँकि 17 प्रतिशत लोगों ने कहा की वे 'नहीं बता सकते' और 14 फीसदी ने 'इनमें से कोई नहीं' कहा।

फिर से नीलाम होगी डॉन की प्रॉपर्टी

लाटे गांव स्थित उनकी संपत्ति की कीमत एक करोड़ 9 लाख रुपये तय की गई है। सफेमा की तरफ से 10 नवंबर को दाऊद की 7 प्रॉपर्टी की नीलामी की गयी थी। जिसमें 6 प्रॉपर्टी को बेचने में सफेमा को सफलता मिली थी। बची हुई प्रॉपर्टी को एक दिसंबर को नीलाम किया जायेगा। आपको बता दें कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की प्रॉपर्टी की नीलामी आयोजित की गयी थी। डॉन के पैतृक गांव रत्नागिरी में उसकी संपत्तियों को नीलाम किया गया था। दाऊद के घर को 11 लाख बीस हजार में नीलाम किया गया था। वहीं दाऊद के खासमखास रहे इकबाल मिर्ची की प्रॉपर्टी को इस बार भी खरीदार नहीं मिल पाए थे। यह नीलामी की प्रक्रिया सफेमा की तरफ से करवाई गई थी। मुंबई के नरीमन प्वाइंट स्थित सफेमा के कार्यालय में यह नीलामी की प्रक्रिया आयोजित करवाई गई थी। डॉन की प्रॉपर्टी को खरीदने के लिए काफी लोगों ने दिलचस्पी दिखाई थी। दिल्ली की वकील अजय श्रीवास्तव ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की रत्नागिरी में स्थित हवेली को 11 लाख 20 हजार रुपये में खरीद लिया था। इसके पहले भी अजय श्रीवास्तव डॉन की भिंडी बाजार स्थित संपत्ति को खरीद चुके हैं। हालांकि उन्हें कब्जा अभी तक नहीं मिल पाया है। नीलामी की प्रक्रिया को ऑनलाइन पूरा करवाया जायेगा।

बाबा आमटे की पोती ने किया सुसाइड

कुछ दिन पहले उन्होंने आमटे महारोगी सेवा समिति में घोटाले की बात कही थी। डॉक्टर शीतल आमटे महारोगी सेवा समिति की सीईओ थीं। वे पिछले कई सालों से अपने पति और परिवार के साथ मिलकर कुष्ठ रोगियों की सेवा कर रही थीं। शीतल, विकास आमटे और भारती आमटे की बेटी और डॉक्टर प्रकाश आमटे की भतीजी थीं। जान देने से पहले शीतल ने सोशल मीडिया पर एक पेंटिंग शेयर कर लिखा- कैनवास पर वॉर और पीस के एक्रेलिक। 72 साल से चंद्रपुर जिले के वरोरा तहसील के आनंदवन में बाबा आमटे का परिवार कुष्ठ रोगियों की सेवा कर रहा है। कुछ दिन पहले शीतल ने आनंदवन में आर्थिक घोटालों को लेकर फेसबुक पर लाइव डिस्कशन किया था। इससे हुए विवाद के बाद शीतल ने फेसबुक से वीडियो पोस्ट डिलीट कर दी थी। आमटे परिवार ने शीतल का सार्वजनिक रूप से विरोध किया था और कहा था कि वे गलतफहमी की शिकार हुई हैं।

व्हाइट हाउस में फीमेल पॉवर

बाइडेन ने बनाई ऑल फीमेल कम्युनिकेशन टीम

भारतवंशी नीरा को भी अहम जिम्मेदारी

वॉशिंगटन। अमेरिका में प्रेसिडेंट इलेक्ट जो बाइडेन व्हाइट हाउस में ऑल फीमेल सीनियर कम्युनिकेशन टीम तैनात करेंगे। इस टीम की अगुवाई केट बेडिंगफील्ड करेंगी। वे व्हाइट हाउस की कम्युनिकेशन्स डायरेक्टर होंगी। बाइडेन ने लंबे समय से डेमोक्रेटिक पार्टी की प्रवक्ता जेन साकी को अपना प्रेस सेक्रेटरी बनाने का फैसला किया है। वहीं, भारतवंशी नीरा टंडेन को भी प्रशासन में अहम जिम्मेदारी दी गई है। बाइडेन ने एक स्टेटमेंट जारी कर कहा- अमेरिका के लोगों से सीधे और सही संवाद रखना राष्ट्रपति की जिम्मेदारी है। इस टीम पर व्हाइट हाउस को अमेरिकन लोगों से जोड़ने की जिम्मेदारी है। मुझे भरोसा है यह इस पर खरी उतरेगी। टीम की योग्य और अनुभवी कम्युनिकेटर अलग-अलग पहलुओं पर काम करेंगी। सभी अमेरिका को फिर से बेहतर बनाने के मिशन में जुटेंगी। तैनाती से जुड़े एक करीबी सूत्र ने बताया कि भारतवंशी नीरा टंडेन को बाइडेन की

नीतियों पर अमल की देखरेख करने की जिम्मेदारी दी जाएगी। वे सेंटर फॉर अमेरिकन प्रोग्रेस नाम के थिंक टैंक की प्रेसिडेंट और सीईओ हैं।

तीनों महिलाएं ओबामा प्रशासन में तैनात रही हैं

व्हाइट हाउस में तैनात की जाने वाली तीनों सीनियर महिला अधिकारी ओबामा प्रशासन में भी काम कर चुकी हैं। बाइडेन के उपराष्ट्रपति रहते समय बेडिंगफील्ड उनकी कम्युनिकेशन डायरेक्टर और प्रवक्ता थीं। साकी व्हाइट हाउस के स्टेट डिपार्टमेंट में कम्युनिकेशन डायरेक्टर और प्रवक्ता थीं। टंडन ने तत्कालीन हैल्थ एंड ह्यूमन सेक्रेटरी कैथलीन सेबेलियस की सीनियर एडवाइजर के तौर पर काम कर चुकी हैं।

और भी महिलाओं को मिलेगी प्रशासन में जगह

बाइडेन के ऑफिस ने बताया कि उन्हें सोमवार को पहली प्रेसिडेंशियल इंटेलीजेंस ब्रीफिंग की जाएगी। वे मैनेजमेंट और बजट ऑफिस के लिए भी महिला डायरेक्टर्स को तैनात कर सकते हैं। टीम में शामिल दूसरी महिलाओं की बात करें, तो वाइस प्रेसिडेंट इलेक्ट की चीफ ऑफ स्टाफ रहीं कैरीन जीन पीयरे बाइडेन की प्रिंसिपल डिप्टी प्रेस सेक्रेटरी होंगी। वहीं, पाइली टोबर को वहाइट हाउस की डिप्टी कम्युनिकेशंस डायरेक्टर बनाया जाएगा। इनके साथ ही सेशिलिया राउस को काउंसिल ऑफ इकोनॉमिक एडवाइजर्स की जिम्मेदारी दी जा सकती है। सूत्रों के मुताबिक, वाली एडेयेमो को ट्रेजरी डिपार्टमेंट का डिप्टी बनाया जा सकता है। अर्थशास्त्री जारेड बेर्नस्टीन और हीदर बाउशे को इकोनॉमिक एडवाइजर बनाया जा सकता है। इधर, न्यूयॉर्क टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि बाइडेन ने ब्राइयन डीस को व्हाइट हाउस नेशनल इकोनॉमिक काउंसिल का प्रमुख बनाने का फैसला किया है।

नारी सम्मान संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा सुंदरी ठाकुर ने की महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे व गृहमंत्री अनिल देशमुख से अपील

ट्रेन से आ रहे यात्रियों की कोरोना टेस्ट चेकिंग में हो रही है भारी लापरवाही

'कोरोना पॉजिटिव यात्रियों से पैसा लेकर कुछ कर्मियों के द्वारा उन्हें छोड़ दिया जाता है, इस तरह के लापरवाह कर्मियों पर जल्द हो कार्रवाई'

मुंबई। नारी सम्मान संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा सुंदरी ठाकुर ने कहा कि मैं महाराष्ट्र सरकार के द्वारा चलाए जा रहे कोविड-19 चेकिंग अभियान की सराहना करती हूं। इस अभियान से महाराष्ट्र के निवासियों में कोरोना बीमारी फैलने से बहुत हद तक निजात मिलेगी। लेकिन मेरी सरकार से विनती है कि जिस तरह बाहर के राज्यों से लोग महाराष्ट्र में आ रहे हैं उन लोगों की चैकिंग की व्यवस्था किया जा रहा है, उसमें से कुछ कर्मचारी अपनी ड्यूटी सही तरीके से नहीं कर पा रहे हैं। बोरीवली पर देखा गया है कि अगर कोई ट्रेन दिल्ली से आ रही है और उसमें कोई यात्री मथुरा से बैठा है तो उसका कोविड-19 टेस्ट चेक नहीं किया जा रहा है, अगर वह यात्री कहीं कोरोना पॉजिटिव हो तो ट्रेन में कितने लोगों को संक्रमित किया ही होगा साथ ही ट्रेन से

सुंदरी ठाकुर ने कहा कि ऐसे कई लोग हैं जो हॉस्पिटलों में कोरोना जांच में पॉजिटिव आने के बाद अस्पतालों में रहना नहीं चाहते तो वो बोलते हैं कि मैं घर में कोरनटाइन हो जाऊंगा और वो पैसे का ऑफर करते हैं फिर ऐसे लोगों को घर भेज दिया जाता है, जिससे कोरोना फैलने की संभावना बढ़ जाती है, सरकार इस बात पर ध्यान दें और तुरंत जांच का आदेश दें

उतर कर ऑटो से घर जाने तक कितने लोगों को संक्रमित कर सकता है, और जो यात्री चेकिंग के दौरान संक्रमित पाया जा रहा है तो उससे कुछ कर्मियों के द्वारा पैसा लेकर उन्हें छोड़ दिया जा रहा है। जो हमारे महाराष्ट्र के निवासियों के लिए बहुत बड़ी समस्या बनकर सामने आने की संभावना है, इससे कोरोना बीमारी के फैलने का जोखिम ज्यादा हो जाएगा। कई लोगों के द्वारा इस तरह की बातें सामने आ रही है, जो बहुत ही निंदनीय है। अगर ऐसा होता रहा तो हमारे महाराष्ट्र में स्थिति बहुत भयावह हो जाएगी। नारी सम्मान संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा सुंदरी ठाकुर ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे व गृहमंत्री अनिल देशमुख से अपील की है कि आप अपने स्पेशल टीम से इस बात की जांच करवाये तो सच सामने आ जायेगा, और इस अभियान में शामिल कर्मियों को समय रहते समझाया जाए ताकि ऐसे लोगों पर लगाम लगाया जा सके। नारी सम्मान संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्षा सुंदरी ठाकुर ने आगे कहा कि ऐसे कई लोग हैं जो हॉस्पिटलों में कोरोना जांच में पॉजिटिव आने के बाद अस्पतालों में रहना नहीं चाहते तो वो बोलते हैं कि मैं घर में कोरनटाइन हो जाऊंगा और वो पैसे का ऑफर करते हैं फिर ऐसे लोगों को घर भेज दिया जाता है, जिससे कोरोना फैलने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे ही मास्क नहीं लगाने पर सरकार के द्वारा 1000 रुपया चालान काटने का आदेश है, वहां लोगों से 100 रुपए लेकर छोड़ देने की चर्चा हो रही है। अगर समय रहते ऐसे भ्रष्ट लोगों को नहीं सुधारा गया तो स्थिति को संभालना मुश्किल हो जाएगा। आपके द्वारा चलाए जा रहे अभियान की मैं तहे दिल से सराहना करती हूं। सुंदरी ठाकुर ने कहा कि मैं एक सोशल वर्कर होने के नाते महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे व गृहमंत्री अनिल देशमुख से विनती करती हूं कि मेरी मांग को सरकार स्वीकार करे और जल्द ही इस ओर ध्यान दिया जाये।

सुंदरी ठाकुर
(राष्ट्रीय अध्यक्षा)
नारी सम्मान संगठन

सुंदरी ठाकुर ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे व गृहमंत्री अनिल देशमुख से अपील करते हुये कहा कि अगर ऐसा होता रहा तो कोरोना संक्रमितों को लेकर हमारे महाराष्ट्र में स्थिति बहुत भयावह हो जाएगी

डॉ. श्रीकांत रामचंद्र धुमाळ को दादासाहेब फालके पुरस्कार से किया गया सम्मानित

जेष्ठ समाजसेवक अन्ना हजारे ने किया प्रशंसा

डॉ. श्रीकांत रामचंद्र धुमाल को दादासाहेब फालके कोरोना योध्दा पुरस्कार से मुंबई यहाँ पर आयोजीत समारोह में सन्मानित किया गया। डॉ. श्रीकांत धुमाल पुणे में कोथरूड यहाँ रहते है। उन्होंने लॉकडाऊन कालावधी में गरीब लोगों को अत्यावश्यक अनाज किट दिए और सबसे जादा आदिवासी पारधी समाज के परिवारों को अनाज के किट दिए। इस लिए संस्थापक और अध्यक्ष श्रीमान. कल्याणजी जाना और उनकी पत्नी श्रीमती अंकिता जाना इनके शुभ हाथों से दादासाहेब फालके पुरस्कार देकर सन्मानित किया गया। पुरस्कार मिलने के बाद डॉ. श्रीकांत धुमाल जेष्ठ समाजसेवक अन्ना हजारे

को राळेगण थेरपाळ यहाँ मिलने गये। श्रीमान. जेष्ठ समाजसेवक अन्ना हजारे इन्होंने डॉ. श्रीकांत धुमाल की सबसे ज्यादा प्रशंसा किया और शुमकामनाएँ दियी। आण्णां हजारे ने लोगों को जागृत करने के लिए एक वीडियो क्लीप तयार किया है। उस बारे अन्ना हजारे बोले मैंने सब नयी जाणकारी पाणशेत ऐसी अनेक जानकारी उस वीडियो क्लीप में है। अन्ना हजारे के साथ 55.मि तक अन्ना हजारे से सुनिल ज्ञानदेव भोसले (संपादक स्टार टि.व्ही ९, उपाध्यक्ष. अखिल भारतीय चित्रपट निर्मातामहामंडल, दै.मराठवाडा केसरी का पत्रकार पुणे ग्रामीण, दै. हिंदुसम्राट पत्रकार) पारधी समाज का सुनिल ज्ञानदेव भोसले इनकी आखिल भारतीय चित्रपट निर्मा ता महामंडल के उपाध्यक्ष पर नियुक्ती हुयी है। यह अभिमान कि बात है। इस लिए बहुत प्रशंसा किया। विकास आप्पा भेगडे भी साथ थे।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

समस्तीपुर हलचल

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा के स्थानांतरण के खिलाफ प्रतिरोध मार्च व सभा: आइसा

सीबीआइ बैंक शाखा का स्थानांतरण रुके नहीं तो मुख्य शाखा पर होगा प्रदर्शन: सुनील

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। आज ऑल इंडिया स्टूडेंट एसोसिएशन आइसा समस्तीपुर कॉलेज इकाई समस्तीपुर कॉलेज कैंपस सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया शाखा का स्थानांतरण के खिलाफ चांदनी चौक से प्रतिरोध मार्च निकाला जो समस्तीपुर कॉलेज गेट पर पहुंच कर प्रतिरोध सभा में तब्दील हो गया जिसका अध्यक्षता आइसा कॉलेज इकाई के अध्यक्ष व पूर्व वि. प्रतिनिधि मनीषा कुमारी तथा संचालन पूर्व समस्तीपुर कॉलेज इकाई के नेता गंगा प्रसाद पासवान ने किया। वही सभा को संबोधित करते हुए आइसा नेताओं ने कहा कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया कई दशकों से समस्तीपुर कॉलेज कैंपस में स्थापित है इस बैंक से हजारों नियमित छात्र व पूर्वर्ती छात्र-छात्राओं का नामांकन, परीक्षा फॉर्म, पंजीयन, सीएलसी व अन्य प्रमाण पत्र में चालान से पैसा जमा किया जाता है। साथ ही कॉलेज के कर्मचारी, शिक्षक व सैकड़ों ग्रामीणों का खाता, वेतन, पेंशन का इस बैंक से सुविधा मिल रही है लेकिन अब इस बैंक का स्थानांतरण से हजारों छात्रों, ग्रामीणों एवं शिक्षक-कर्मचारी को दूर जाना पड़ेगा इस जनविरोधी बैंक का स्थानांतरण का फैसला वापस हो। वही आइसा जिला सचिव सुनील कुमार ने कहा कि बैंक का स्थानांतरण मोदी सरकार का कारपोरेट को बढ़ावा व बैंकों का मर्जर करने की नीति का परिणाम है, जिसे आइसा बर्दाश्त नहीं करेगी समस्तीपुर कॉलेज कैंपस से सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के स्थानांतरण पर रोक नहीं लगाया गया तो छात्रों एवं ग्रामीणों को गोलबंद कर चरणबद्ध आंदोलन चलाया जाएगा। वही प्रतिरोध सभा में उपस्थित आइसा जिला अध्यक्ष लोकेश राज, कार्यालय सचिव राजू कुमार झा, जिला उपाध्यक्ष ललित कुमार साहनी, काजल कुमारी, अभिषेक कुमार, रवि कुमार, प्रवीण कुमार, मनीष कुमार यादव, मनीष राय, विवेक कुमार, मो. चांद, सौरभ, राहुल कुमार, दीपक कुमार इत्यादि थे।

रोसड़ा अनुमंडल के हथौड़ी थाना क्षेत्र में हरिहरपुर पुल के पास पानी से मिला तैरता हुआ शव, दहशत में ग्रामीण

समस्तीपुर। शिवाजी नगर प्रखंड के हथौड़ी थाना क्षेत्र पंचायत मधुरापुर, ग्राम हरिहरपुर, निवासी गणेशी दास के पुत्र सरवन कुमार उम्र 35 वर्ष पिछले रविवार, यानी 22, 11, 2020 से लापता थे, जिनका खोज चल रहा था, इसी क्रम में कल शाम यानी 29,11, 2020 को हरिहरपुर पुल के पास 2 फीट पानी में तैरता हुआ लाश लोगों ने देखा, इसकी जानकारी थाना अध्यक्ष,आरआर सिंह को दिया, आरआर सिंह अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल समस्तीपुर भेज दिया। पंचायत में लाश के विषय में तरह-तरह की चर्चाएं चल रही है, कुछ लोग हत्या का संदेह जताया जा रहा है,तो कुछ लोगों का कहना है कि दौरा आ रहा था जिसके चलते डूब कर मर गया होगा, यह बात तो अब पोस्टमार्टम के रिपोर्ट के आने के बाद ही चर्चाओं के विषय पर विराम लगेगी, फिलहाल अनेक तरह की चर्चाएं चल रही है। उधर उनके परिवारों का रो रो कर बुरा हाल है, अपने पीछे 4 बच्चे पत्नी एवं माता पिता को छोड़ कर चले गए, जिन का भरण पोषण करने वाला कोई नहीं है,पत्नी सविता देवी, लड़का कुंदन कुमार उम्र 12 वर्ष ,संदीप कुमार उम्र 7 वर्ष, लड़की लक्ष्मी कुमारी 9 वर्ष, नंदनी कुमारी 5 वर्ष, ग्रामीण जनप्रतिनिधि कुछ भी कहने के मूड में नहीं दिख रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है जब तक पोस्टमार्टम की रिपोर्ट नहीं आ जाती है तब तक कुछ नहीं कह सकते हैं कि मौत का कारण क्या है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने से ही स्पष्ट हो पाएगा।

चकपहड़ा में जनता सम्मान समारोह एवं स्मारक शिलान्यास का आयोजन किया गया!

संवाददाता

समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के मोरवा प्रखंड के ताजपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत चकपहार पंचायत के वार्ड 7 में पूर्व मुखिया स्व.सुरेन्द्र शर्मा के दरवाजे पर जनता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, स्व सुरेन्द्र शर्मा के पत्नि एवं उनके शपरिवार द्वारा मोरवा के विधायक रणविजय शाहू को पाग-माला पहनाकर स्वागत किया विधायक ने प्रखंड समाजबादी नेता स्व.सुरेन्द्र शर्मा के स्मार्क का शिलान्यास विधायक रणविजय साहू द्वारा किया गया, एवं सुरेन्द्र शर्मा को एक बड़े नेता के रूप थे विधायक ने उन्हें दिल से याद किया, विधायक ने चकपहार के जनता के समश्याओ को सुने, विधायक ने कपूरी ठाकुर को भी याद किया, बताया कि यहाँ की धरती कपूरी ठाकुर की धरती है, विधायक ने यह भी कहा कि मोरवा में थाना की स्थापन करने की बात कही,चकसिन्दर में हो रहे हॉस्पिटल के कार्य को भी सुरु करने कराने की बात कही, वही चकपहार पंचायत के कमतौल गाँव वार्ड 4 सीपीएम नेता विन्देस्वर राय ने दरवाजे पर एक सभा का आयोजन किया गया, यहाँ भी पाग चादर से नेता विन्देस्वर राय ने विधायक को स्वागत किया, एवं जिसमें कमतौल के वार्ड 3 के विजय कुमार राम द्वारा एक आवेदन पत्र विधायक को दिया सोपा गया आवेदन में रोड निर्माण कार्य मुनिलाल शर्मा के घर से रामचंद्र राम घर तक करने का प्रस्ताव दिया गया, इस मौके पर स्व, सुरेन्द्र शर्मा की पत्नी रीता देवी, डॉ विनय कुमार, विजय राम, प.स. स. अरविंद राय, वकील मिथलेश यादव, विनोद कुमार राय, संतोष यादव, रामचंद्र रे, धरवेन्दर राय, चकपहार पंचायत के मुखिया प्रवीण कुमार राय, राकेश यादव, नवीन सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

बुलढाणा हलचल

पवार दंपत्ति ने एक लड़की को गोद लेकर समाज के सामने एक मिसाल कायम की

संवाददाता/अशफाक युसुफ

बुलडाणा। बुलडाणा जिले के सरोळा मारोती में ग्रीन एग्रो मार्केट कंपनी के एक लेयर फार्म में काम करने वाले दंपति सुभाष पवार और अनीता पवार ने एक ऐसी बेटी को गोद लेकर समाज के लिए एक मिसाल कायम की है। सुभाष पवार सरोळा मारोती के एक लेयर फार्म में काम करते हैं। उनके दो बच्चे हैं। उनके चचेरे भाई की पांच बेटियों की पीठ पर एक और छठी बेटी ने जन्म लिया। इसलिए उन का चचेरा भाई सहित घर वाले लड़की के जन्म होन पर ना खुश हुए। यह जानकारी सुभाष पवार और अनीता पवार दंपति को मिली। आपकी कोई बेटी नहीं है और रिश्तेदार की छठी बेटी है। इसलिए उन्होंने एक रिश्तेदार की 20 दिन की बेटी को गोद ले लिया। जब ग्रीन एग्रो मार्केट कंपनी के निदेशक मालती संदीप शेलके को इस बारे में पता चला, तो उन्होंने जोड़े को साड़ी, रूमाल, टोपी और लड़की को कपड़े देकर सम्मानित किया।राजर्षि शाहू परिवार को सामाजिक कार्य करते हुए कई गणमान्य लोगों से प्रेरणा मिली है। इस अवसर पर बोलते हुए, मालती शेळके ने कहा कि पवार दंपति, जो आज एक बेटी को गोद लेकर देखभाल कर रहे हैं, हमारे लिए प्रेरणा रहे हैं। इस बहेतरीन पहेल कि हर तरफ सरहानीय की जारही है। इस अवसर लेयर फार्म के मैनेजर, दत्ता जाधव, उपस्थित थे।

सब्जियों की आवक बढ़ने से दाम में कमी

बुलडाणा। सब्जियों की आवक बढ़ने से सब्जियों के दामों में बड़े पैमाने पर गिरावट आई हैं। हाल ही में खरीफ मौसम खत्म होकर रबी मौसम की शुरूआत हो चुकी हैं। सोयाबीन फसल से आर्थिक नुकसान होने से किसान अपने रोजमर्रा की जरूरत पुरा करने में जुटे हैं। यही वजह है कि किसानों ने सब्जी की फसल लेना शुरू की, लेकिन सब्जी की फसल की आवक बढ़ने से बाजार में उसके दामों में गिरावट आई है। करीब एक माह पूर्व 50 रुपये प्रति किलो से अधिक दाम बिकने वाली सब्जियों की कीमत आधी हो गई है। बाजार में सब्जियों के दामों में गिरावट का दौर लगातार जारी है। खासकर मौसमी सब्जियों के दाम भी आवक बढ़ने से कम हो गए हैं। दाम आधे होने से लोगों को बड़ी राहत मिली है। वहीं बाजार में सब्जियों की खपत भी बढ़ गई है। थोक व्यापारियों की मानें तो आगामी दिनों में सब्जियों के दाम में और गिरावट की संभावना है। हालांकि लोगों को आलू और प्याज के दाम से कोई खास राहत नहीं मिल पाई है। इन दिनों बाजार में फूलगोभी, मटर, सेम, टमाटर, मेथी की मांग ज्यादा है। बता दें कि इससे पहले सब्जियों की कीमत इतनी अधिक बढ़ गई थी कि लोगों का बजट गड़बड़ा गया था। अब 100 रुपये में एक थैला सब्जी खरीद रहे हैं। यही वजह है कि जिले मेम किसान मौसमी फसलों के साथ साथ सब्जी उत्पादन को भी तरजीह दे रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इस वर्ष बुलडाणा तहसील क्षेत्र में औसत से अधिक बारिश दर्ज किए जाने से जहां एक ओर अधिकांश तालाब लबालब हो गए हैं। वहीं कओं का जलस्तर भी बढ़ गया है। इस कारण इस मर्तबा स्थानीय सब्जी मंडी में सब्जी की आवक बढ़ गई है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

बालों को कलर कराने से पहले जान लें ये 10 बातें, दोबारा नहीं करेंगे गलती

युवाओं में बालों को रंगने का चलन तेजी से बढ़ा है, लेकिन कई बार आपका यह शौक चिंता का विषय भी बन सकता है। अमेरिका और यूरोप में बालों में कलर कराने वाले लोगों में कैंसर के लक्षण पाए गए, जिससे यह साफ हुआ कि बालों को रंगना कैंसर का कारण भी बन सकता है। हेयर डाई को कई रसायनों से मिलाकर तैयार किया जाता है, इन रसायनों के संपर्क में आने से कैंसर का खतरा बढ़ता है। एक अध्ययन से यह भी सामने आया कि जिन महिलाओं ने 1980 से पहले हेयर डाई का इस्तेमाल शुरू किया, उन्हें हेयर डाई न लगाने वाली महिलाओं के मुकाबले 30 फीसदी कैंसर होने का खतरा ज्यादा था।

कलर करने के लिए आपको यह पता होना चाहिए कि बालों में कैसा कलर करें, मसलन कौन सा रंग आप पर सूट करेगा या कौन सा रंग आपके बालों के लिए सही रहेगा आदि। इस लेख के जरिए हम आपको दे रहे हैं कुछ ऐसी जानकारी जिससे आप बालों में कलरिंग के नुकसान के बारे में जान सकते हैं।

बालों में कलरिंग के नुकसान

हेयर डाई से ल्युकेमिया या लिम्फोमा होने का खतरा बढ़ता है। साथ ही इसे मूत्राशय कैंसर के खतरे से जोड़ कर भी देखा गया है। डॉक्टरों के मुताबिक गर्भवती महिलाओं का बिना चिकित्सीय सलाह के हेयर डाई का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। हेयर कलर आपकी सेहत के साथ ही नवजात को भी नुकसान पहुंचा सकता है। परमानेंट हेयर कलर कराने के बाद कई बार लोगों में त्वचा संबंधी परेशानियों को देखा गया है। इसलिए आप स्थायी हेयर कलर की बजाय टेम्परेरी कलर कराएं तो बेहतर होगा। बालों को कलर कराते समय यह सुनिश्चित कर लें कि कौन सा कलर आपके बालों के लिए सही रहेगा,

इस मामले में जरा सी लापरवाही आपके अच्छे बालों को नुकसान पहुंचा सकती है। बालों को कलर करवाने से पहले आपको एलर्जी का भी ध्यान रखना चाहिए, कई बार कुछ कलर या डाई बालों को नुकसान पहुंचा सकती है। ऐसे में यदि आपको अमोनियायुक्त डाई सूट न करें तो आप प्रोटीन युक्त डाई का प्रयोग भी कर सकते हैं। इसके लिए आप हेयर एक्सपर्ट या ब्यूटी पार्लर में जाकर परामर्श भी ले सकते हैं। हेयर कलर कराने वालों को कुछ समय बाद त्वचा संबंधी दिक्कतों जैसे बालों की कोमलता में कमी, बाल जल्दी सफेद होना आदि का भी सामना करना पड़ता है। हेयर कलर में मिला अधिक अमोनिया बालों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इससे आपके सिर से सारे बाल भी गायब हो सकते हैं। बालों को घर पर कलर करने के दौरान ब्रश और हाथों में दस्तानों का प्रयोग जरूर करें और अपनी आखों का खासतौर पर ध्यान रखें। यह आपकी आंखों को नुकसान पहुंचा सकता है, इसलिए पहली बार किसी अनुभवी या प्रोफेशनल व्यक्ति से कलर करवाना चाहिए।

बालों को कलर करने से पहले उन्हें धोकर सुखा लें और बालों को कंघी के एक सिरे से उठाते हुए कलर करें। इससे आपके बालों के टूटने का खतरा कम रहेगा। यदि आपकी दिनचर्या व्यस्त हैं तो आपको हल्का हेयर कलर इस्तेमाल करना चाहिए। इससे आपके बालों को ज्यादा नुकसान नहीं होगा।

नेचुरल तरीके से करें बालों को कलर

अगर आपको ये लगता है कि कॉफी का प्रयोग का सिर्फ पीने के लिए किया जाता है तो अब इसे भूल जाएं। क्योंकि कॉफी के प्रयोग से आप अपने बालों को नेचुरल ब्राउन शेड भी दे सकते हैं। कैसे? इसके लिए आप मेंहदी में कॉफी डालकर उसका अच्छी तरह पेस्ट बना लें। आप चाहें तो इस पेस्ट में 1 नींबू का रस भी मिला सकती हैं। अब इसे अपने बालों में लगाने के बाद करीब 2 से 3 घंटे सूखने दें। इसके बाद नॉर्मल पानी से बाल धो लें। आप देखेंगे कि आपके बालों में नेचुरल ब्राउन शेड आ रहा है। अगर आपको अपने बालों में नेचुरल और गहरा रेड शेड चाहिए तो आप चुकंदर का प्रयोग निसंकोच कर सकती है। इसके लिए थोड़े से गाजर के रस में कम से कम एक गिलास चुकंदर का रस मिला लें और उसके बाद उस मिश्रण को अपने बालों पर अच्छे से लगा ले। इसे करीब एक से दो घंटे तक रहने दें। जब ये रस बालों में सूखने लगे तो बालों को धो लें।

जिद्दी से जिद्दी ब्लैकहेड्स भी हो जाएंगे दूर जब अपनाएंगे ये असरदार नुस्खे

गर्मियों के मौसम में महिलाओं के चेहरे पर ब्लैकहेड्स की समस्या आम देखने को मिलती है। चेहरे पर पड़े काले दाग महिलाओं की खूबसूरती को खराब कर देते हैं। ब्लैकहेड्स ज्यादातर नाक, ठुड्डी पर निकलते हैं, जो देखने में बहुत ही गंदे लगते हैं। जिन लोगों की स्किन बहुत ज्यादा ऑयली होती है उनको इस मौसम में अक्सर ब्लैकहेड्स हो जाते हैं। इसने छुटकारा पाने के लिए और खोई खूबसूरती को वापिस पाने के लिए महिलाएं नोज स्ट्रिप्स का इस्तेमाल करती हैं। मगर इससे बहुत दर्द होता है। ऐसे में कुछ घरेलू

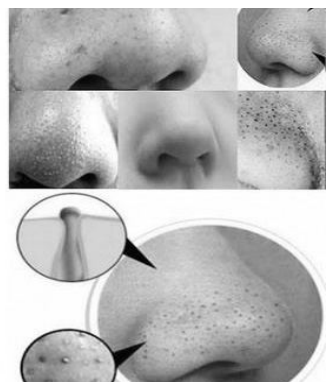

नुस्खे अपनाकर ब्लैकहेड्स की समस्या को हफ्ते भर में दूर किया जा सकता है। आइए जानिए ऐसे ही कुछ आसान नुस्खों के बारे में।

1. बेकिंग सोडा

ब्लैकहेड्स को दूर करने के लिए 1 चम्मच बेकिंग सोडे में 2 चम्मच पानी मिलाकर एक पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को ब्लैकहेड्स वाली जगह पर लगाएं। अब इसको सुखने दें। जब बेकिंग सोड़ा पूरा तरह से सुख जाए तो गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। हफ्ते में 2 बार इसका इस्तेमाल करने से ब्लैक हैड्स निकलने लगेंगे।

2. टमाटर

टमाटर में प्राकृतिक एंटीसेप्टिक गुण होते हैं जो ब्लैकहेड्स को खत्म करने के काम आता है। 1 टमाटर लें इसको अच्छे से पीस कर रात को सोने से पहले ब्लैकहेड्स पर लगाएं। रात भर इसको ऐसा ही रहने दें। सुबह उठकर साफ पानी से चेहरे धो लें।

3. नींबू

नींबू ब्लैकहेड्स को खत्म करने के लिए औषधी की तरह काम करता है। 1 कटोरे में नीबू का रस और नमक का मिश्रण बनाएं। इसको अब 20 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। अब गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। हफ्ते भर इस मिश्रण का उपयोग करने से ब्लैकहैड्स खत्म होने लगेंगे।

4. ग्रीन टी

ग्रीन टी भी ब्लैकहेड्स को खत्म करने में सहायक है। 1 चम्मच ग्रीन की पत्तियां लें। इसमें पानी डालकर एक पैक बनाएं। इस पैक से चेहरे पर 3 मिनट के लिए स्क्रब करें। स्क्रब करने से ब्लैकहेड्स खत्म होने लगते हैं।

5. टूथपेस्ट

टूथपेस्ट को ब्लैकहेड्स वाली जगह पर 25 मिनट लगाने के बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। टूथपेसट को हफ्ते में 2 बार चेहरे पर लगाने से ब्लैकहेड्स की समस्या दूर होगी।

इस आयुर्वेदिक तेल से करें गंजेपन का इलाज, जानें और भी कई फायदे

आजकल ज्यादातर लोग बीमारियों का इलाज करने के लिए आयुर्वेदिक दवाइयों का ही सहारा लेते हैं। कुछ लोग तो आयुर्वेद चिकित्सा के अनुसार ही खाना खाते है, ताकि वो बीमारियों से बचे रहें। वहीं कुछ लोग आयुर्वेद दवाओं के सेवन से खुद को स्वस्थ रखते हैं। मगर आज हम आपको आयुर्वेद के नियम या दवाइयों के बारे में नहीं बल्कि आयुर्वेदिक तेल के बारे में बताने जा रहे हैं। इन 5 तेल का इस्तेमाल आपकी कई बीमारियों को दूर कर देगा। आइए जानते है किन 5 आयुर्वेदिक तेल की मदद से आप खुद को निरोग और स्वस्थ रख सकते हैं।

1. इरमेदादि तेल

मसूड़ों के रोग, मुंह से दुर्गंध आना, जीभ, तालू और होठों के रोगों के लिए आप इस तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। रोजाना इस तेल से कुल्ला करके आप मुंह के कई बीमारियों को दूर भी रख सकते हैं।

2. महाभृंगराज तेल

गंजेपन की समस्या से छुटकारा पाने के लिए इस तेल से मालिश करें। 1 महीने तक लगातार इस तेल से मालिश करने पर आपकी बाल झड़ने और गंजेपन की प्रॉब्लम दूर हो जाएगी। इसके अलावा इस तेल का इस्तेमाल आपके बालों को लंबा और घना भी बना देता है।

3. नारायण तेल

लकवा, रीढ़ की हड्डी में दर्द, गठिया रोग, कमर का दर्द दूर करने के लिए आप इस तेल से मालिश करें। दूध में 1–2 बूंद नारायण तेल डालकर पीने से हर्निया, बहरापन, कब्ज, बुखार और दांतों के रोग दूर हो जाते हैं।

4. चंदनबला लाशादि तेल

रोजाना दिन में 2 बार इस तेल से मालिश करने पर शरीर में सूजन की समस्या दूर हो जाती है। इसके अलावा इस तेल का इस्तेमाल श्वसन संबंधी समस्याएं, दांतों में सड़न, खुजली, सूजन, पुराना बुखार और शारीरिक कमजोरी को दूर करता है।

5. काशीसादि तेल

इस तेल का इस्तेमाल बवासीर के रोग में फायदेमंद होता है। इस तेल को रुई में भिगोकर बवासीर पर लगाएं। लगातार इसका इस्तेमाल बवासीर की परेशानी को जड़ से खत्म कर देगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

जब संजय दत्त ने सरेआम किया था रणबीर कपूर को बेइज्जत

रणबीर कपूर ने संजय दत्त की बायोपिक 'संजू' से काफी सुर्खियां बटोरी थीं। संजय दत्त के किरदार में पूरी तरह से ढलने के लिए रणबीर कपूर ने कड़ी मेहनत की। चाहे संजय दत्त जैसे बाल हों या बॉडी या फिर उनकी तरह चलने की स्टाइल, रणबीर पूरी तरह इन सबमें ढले नजर आए। जब संजय दत्त ने इस फिल्म को देखा तो वो खुद हैरान रह गए थे। संजय ने रणबीर की तारीफों के पुल बांध दिए थे, लेकिन एक ऐसा वक्त भी था जब संजय दत्त नहीं चाहते थे कि रणबीर पर्दे पर उनका किरदार निभाएं। यहाँ तक कि उन्होंने एक बार तो पार्टी में सबके सामने रणबीर की बेइज्जती तक कर डाली थी। यह वाक्या है साल 2016 का। संजय दत्त ने अपने घर पर एक पार्टी रखी थी और शराब के नशे में धुत्त होकर एक्टर ने रणबीर कपूर का जमकर मजाक उड़ाया था। दरअसल, संजय दत्त, रणबीर को अपने रोल के लिए फिट नहीं मान रहे थे और उन्होंने मजाक उड़ाते हुए रणबीर को 'लड्डू' और 'बर्फी' जैसी ही फिल्म करने की सलाह दी थी। उस पार्टी में डेविड धवन, राजकुमार हिरानी और कई बड़े दिग्गज सितारे मौजूद थे।

अनुष्का शर्मा ने बताया डिलिवरी के बाद का प्लान

अनुष्का शर्मा ने अपनी प्रेग्नेंसी की खबर अगस्त में शेयर की थी। इसके बाद से सोशल मीडिया पर बेबी बम्प के साथ कई तस्वीरें पोस्ट कर रही हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान वह ऐक्टिव भी हैं। इस दौरान वह जरूरी प्रिकॉशंस भी ले रही हैं। उन्होंने अपने फ्यूचर प्लान्स पर बात की। अनुष्का और विराट के घर जनवरी 2021 में नन्हा मेहमान आने वाला है। उन्होंने बताया कि इसके बाद ही उनकी काम पर लौटने की तैयारी है। अनुष्का ने बताया, सेट्स पर मुझे बहुत खुशी मिलती है। मैं अभी कुछ दिनों तक शूटिंग जारी रखने वाली हूं। शूट के दौरान पूरी टीम के साथ बहुत मजा आता है। अनुष्का ने बताया, इंडस्ट्री के लिए ये साल बुरा रहा है। लेकिन मुझे खुशी है कि उतने ही पैशन और एनर्जी के साथ फिर से काम शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि शूटिंग शुरू करने से पहले उन्होंने सारे पहलुओं पर विचार कर लिया था। बताया की उनकी टीम काफी प्रोटेक्टिव है। डिलिवरी के बाद शूटिंग पर लौटने के बारे में अनुष्का ने बताया, बच्चे की डिलिवरी के बाद मैं शूट पर वापस लौट आऊंगी और घर पर ऐसा सिस्टम बनाऊंगी कि बच्चे, घर और प्रफेशनल लाइफ के बीच बैलेंस बन सके।

अक्षय कुमार की 'बच्चन पांडे' में नजर आएंगे अरशद वारसी

बॉलिवुड स्टार अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'बच्चन पांडे' का फर्स्ट लुक जबसे सामने आया है तभी से यह फिल्म चर्चा का विषय बनी हुई है। इस फिल्म का पोस्टर आने के बाद से ही फैन्स इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। खबर है कि फिल्म में अक्षय के ऑपोजिट कृति सैनन को कास्ट किया गया है। अब इस फिल्म के साथ अरशद वारसी भी जुड़ गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म के मेकर्स एक ऐसे ऐक्टर की तलाश में थे जो अक्षय की कॉमिक टाइमिंग को मैच कर सके। इसे देखते हुए उन्हें अरशद वारसी से बेहतर कोई ऑप्शन नहीं दिखाई दिया। फिल्म में अरशद अक्षय के एक दोस्त की भूमिका में दिखाई देंगे। अरशद के कैरक्टर में कई शेड्स होंगे और उनका लुक भी एकदम अलग होगा। वैसे बता दें कि यह पहला मौका होगा जबकि अक्षय कुमार और अरशद वारसी एक साथ बड़े पर्दे पर दिखाई देंगे। हालांकि फिल्म जॉली एलएलबी की एक-एक फिल्म दोनों ने की है लेकिन साथ फिर भी ये दोनों नजर नहीं आ सके। बताया जा रहा है कि 'बच्चन पांडे' कृति सैनन एक जर्नलिस्ट का किरदार निभाएंगी। यह दूसरा मौका होगा जबकि कृति अक्षय के साथ दिखाई देंगी।

रिचा चड्ढा की मूवी 'शकीला' क्रिसमस पर होगी रिलीज

थिएटर खुलने के बावजूद बड़ी फिल्मों के निर्माता अभी भी फिल्मों को रिलीज करने से कतरा रहे हैं जिसका फायदा छोटी फिल्मों के निर्माता उठा रहे हैं और वर्षों से अटकी फिल्मों को भी रिलीज होने का मौका मिल रहा है। क्रिसमस पर कोई बड़ी फिल्म रिलीज नहीं हो रही है। ओटीटी पर जरूर कुली नं. 1 जैसी बड़ी फिल्म देखने को मिलेगी, लेकिन थिएटर को 'शकीला' जैसी फिल्म से काम चलाना होगा। एडल्ट स्टार पर आधारित फिल्म 'शकीला' इस क्रिसमस पर प्रदर्शित होगी। यह फिल्म भी अटकी पड़ी थी। इस फिल्म में रिचा चड्ढा ने लीड रोल निभाया है। इंद्रजीत लंकेश के निर्देशन में बनी इस फिल्म में कुछ शॉकिंग खुलासे हैं।